संजौली कॉलेज में 'भूकंपरोधी मकान, सुरक्षित हिमाचल' कार्यक्रम

राजधानी शिमला स्थित उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र राजकीय महाविद्यालय संजौली में आज दिनांक 2 अप्रैल 2019 को भूकंप के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 4 अप्रैल 1905 को कांगड़ा में आए भयानक भूकंप में मारे गए हजारों लोगों की आत्मिक शांति के लिए समर्पित 'भूकंपरोधी मकान, सुरक्षित हिमाचल' नामक इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सी बी मेहता ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में डॉ मेहता ने शिमला में बढ़ते बेतरतीब और असुरक्षित मकानों के निर्माण पर चिंता व्यक्त क हुए कहा कि जब अस्सी के दशक में वे स्वयं संजौली कॉलेज में छात्र थे तो आसपास केवल गिनती के ही मकान थे, लेकिन अंग्रेजों द्वारा केवल 20-30 हज़ार लोगों के लिए बसाया गया शिमला शहर, जो भूकंप की दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है, आज लाखों की आबादी का बोझ ढो रहा है। उन्होंने आनेवाली पीढ़ी से उम्मीद जताई कि वे स्वयं भी जागरूक होंगे और आसपास के लोगों को भी सुरक्षित मकान बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के जियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो शुभम चौधरी ने कांगड़ा भूकंप की त्रासदी और पिछले लगभग हजार वर्षों में विश्वभर में आए भूकंपों पर हुए विभिन्न अनुसंधानों पर एक विस्तृत पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत की। प्रो चौधरी ने जहां एक ओर हिमाचल के सभी भूकंप संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी दी, वहीं सुरक्षित भूकंपरोधी मकानों के निर्माण की विभिन्न वैज्ञानिक पद्धतियां भी विद्यार्थियों के साथ साझा की।

कार्यक्रम में कांगड़ा भूकंप में मारे गए हजारों लोगों की आत्मिक शांति के लिए मौन रखकर प्रार्थना भी की गई। अंत में महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो जी पी कपूर ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों व प्रतिभागी विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में प्रो रामलाल शर्मा, प्रो विशाल रांगटा, प्रो मनोज मेहता, प्रो बृजमोहन प्रजापति, प्रो सीमा बंटा, प्रो रविंदर चौधरी, प्रो संदेश काल्टा, प्रो प्रियंका आदि अध्यापक भी शामिल हुए।

Sandesh Kalta

J&MC